भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

विषय:- पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय से संबंधित अप्रैल, 2019 माह का मासिक सारांश

<u>आईईसी पर राष्ट्रीय कार्यशाला</u>

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय (एमओडीडब्ल्यूएस) ने युनीसेफ की भागीदारी से नई दिल्ली में दिनांक 15-16 अप्रैल, 2019 तक ओडीएफ प्लस पर विशिष्ट बल देते हुए आईईसी पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। इसमें राज्यों तथा केन्द्र के एसबीएम-जी राज्य आईईसी परमार्शदाताओं, राज्य, समन्वयकों, मिशन निदेशकों, विकास भागीदारों तथा अन्य संसाधन व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यशाला में 26 राज्यों के लगभग 60 प्रतिनिधियों ने भाग लिया और कार्यशाला में कुल 98 भागीदार थे।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रत्येक राज्य के आईईसी पहलू को समझना, उनके दृष्टिकोण, कार्यनीति, अनुभवों, उत्तम रीतियों, ओडीएफ स्थायित्व क्षेत्र की चुनौतियों और सुझावों, ठोस एवं तरल अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) को समझना है ताकि ओडीएफ प्लस स्थिति के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। इस कार्यशाला ने, ओडीएफ स्थायित्व को सुनिश्चित करने और एसएलडब्ल्यूएम पर व्यवहारगत परिवर्तन को प्रेरित करने के लिए ओडीएफ प्लस अभियान के डिजाइन को तैयार करने के संबंध में आईईसी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करने के लिए राज्यों के लिए उपयुक्त मंच उपलब्ध कराया। संभावित परिणाम का उद्देश्य स्वरूप अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए आईईसी गतिविधियों के प्रभाव को बढ़ाने के लिए जनमत से एक वैज्ञानिक तथा प्रणालीबद्ध दृष्टिकोण का विकास कराना था।

<u>विश्व बैंक के विश्व जल सप्ताह में स्वच्छ भारत मिशन का प्रदर्शन</u>

सचिव, एमडीडब्ल्यूएस द्वारा 2 से 4 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी में विश्व बैंक के विश्व जल सप्ताह में स्वच्छ भारत मिशन का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सचिव, एमडीडब्ल्यूएस द्वारा ''डिलिवरिंग वाटर सपलाई एण्ड सैनीटेशन सर्विसेज'' नामक एक सत्र में प्रमुख उद्बोधन दिया गया और उन्होंने ''द सैनीटेशन इकोनॉनी- ऑपोर्चुनीटी फॉर स्केल विथ द प्राइवेट सेक्टर'' नामक सत्र में पैनल चर्चा में भी हिस्सेदारी की। इन सत्रों के माध्यम से वैश्विक मंच पर स्वच्छ भारत मिशन की सफलता की कहानी और भारत के जल एवं स्वच्छता कार्यक्रम को स्पष्ट करने में सहायता मिली।

<u>जिला स्वच्छ भारत प्रेरक (जेडएसबीपी) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम</u>

एमडीडब्ल्यूएस द्वारा नई दिल्ली में 15-16 अप्रैल, 2019 को स्वच्छ भारत मिशन पर जिला स्वच्छ भारत प्रेरक (जेडएसबीपी) के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विभिन्न जिलों के कुल 30 जेडएसबीपी ने इसमें भागीदारी की। इन प्रेरकों को ओडीएफ-प्लस के मुद्दे पर पुनर्उन्मुख किया गया।

ओडीएफ प्लस पर राष्ट्रीय कार्यशाला

इंडिया हैबिटैट सेन्टर में 25-26 अप्रैल, 2019 को ओडीएफ प्लस (ओडीएफ+) पर एक अन्य राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में मिशन निदेशकों/राज्य समन्वयकों/राज्य परामर्शदाताओं/विकास भागीदारों ने भाग लिया। कार्यशाला में कुल 105 भागीदारों ने भाग लिया। एसएलडब्ल्यूएम सहित ओडीएफ+ पर चर्चा की गई। कई राज्यों ने मौजूदा एसएलडब्ल्यूएम गतिविधियों और भावी कार्य-नीतियों पर प्रस्तुतिकरण दिया।

जनगणना वाले टाउन में कार्यकलापों के विलय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

घर के परिसर के अंदर नल जल आपूर्ति प्रदान करने, समुदाय आधारित वर्षा जल संचयन, अवजल (ग्रे-वाटर) प्रबंधन आयोजना और विशेष रूप से जनगणना वाले टाउन में सेप्टेज प्रंबधन हेतु मल पंक शोधन संयंत्र के बारे में राज्यों को परिचित कराने के लिए दिनांक 29 अप्रैल, 2019 को एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

योजना अनुमोदन समिति (पीएसी) की बैठक

एसबीएम(जी) के अंतर्गत एआईपी 2019-20 पर चर्चा करने के लिए योजना अनुमोदन समिति (पीएसी) की बैठक दिनांक 1-3 अप्रैल, 2019 को सम्मेलन कक्ष, एमडीडब्ल्यूएस, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक में, हरियाणा, झारखण्ड, केरल, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, गोवा, दादरा एवं नागर हवेली, दमन व दीप, अरूणाचल प्रदेश, असम, त्रिपुरा, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड से संबंधित एआईपी पर चर्चा की गई।

नल जल आपूर्ति पर राष्ट्रीय परामर्श

नल जल आपूर्ति, वर्षाजल संचयन और अवजल (ग्रे-वाटर) प्रबंधन पर चर्चा करने के लिए राज्यों के साथ एक राष्ट्रीय परामर्श दिनांक 29 अप्रैल, 2019 को स्कोप कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया। कई राज्यों के प्रतिनिधि इस कार्यशाला में उपस्थित हुए और सचिव, एमडीडब्ल्यूएस ने इसकी अध्यक्षता की। इस बैठक में सभी ग्रामीण परिवारों को नल जल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा भूजल के पुनर्भरण के लिए वर्षा जल का संरक्षण एवं अपशिष्ट जल के प्रबंधन के भविष्य पर विस्तृत चर्चा की गई।

****